Date :- 01/08/2024

NOTIFICATION

Sub :- CBCS Syllabi of B. A./B.Com./B.Sc. in Hindi (Sem. III & IV)

Ref. :- Decision of the Academic Council at its meeting held on 27/07/2024.

The Syllabi of B. A./B.Com./B.Sc. in Hindi (Third and Fourth Semesters) as per **NATIONAL EDUCATION POLICY – 2020 (2023 Pattern)** and approved by the Academic Council as referred above are hereby notified for implementation with effect from the academic year 2024-25.

Copy of the Syllabi Shall be downloaded from the College Website (www.kcesmjcollege.in)

Sd/-
Chairman,
Board of Studies

To :

1) The Head of the Dept., M. J. College, Jalgaon.
2) The office of the COE, M. J. College, Jalgaon.
3) The office of the Registrar, M. J. College, Jalgaon.

के.सी.ई.सोसायटी संचालित

मूलजी जेठा (स्वशासी) महाविद्यालय, जलगांव

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम

द्वितीय वर्ष कला और
द्वितीय वर्ष विज्ञान/वाणिज्य

तृतीय सत्र और चतुर्थ सत्र (Semester III & IV)

NEP 2020 के अनुसार

(शै.सत्र-2024 -25 के लिए जून 2024 से लागू)

प्रस्तावना :

विद्यार्थियों को समुचित ज्ञान के साथ-साथ कौशल और अनुभव पर आधारित शिक्षा मिले यह समय की मांग थी। अत: उच्च शिक्षा में कालानुरूप बदलाव अत्यावश्यक था। मूलजी जेठा महाविद्यालय (स्वशासी) ने UGC और महाराष्ट्र शासन के आदेश तथा नियमावली को मद्देनजर रखते हुए NEP-2020 का स्वीकार किया है। जिसके तहत हिंदी विभाग के हिंदी अध्ययन मंडल के सदस्यों ने स्नातक स्तर पर नूतन पाठ्यक्रम का ढांचा तैयार किया है। जिसमें...

हिंदी काव्य की विधा खंडकाव्य तथा गद्य की विधाएं उपन्यास, कहानी, एकांकी तथा नाटकों की सैद्धांतिकी को समझाते हुए उसमें निहित मूल्यों की पहचान करवाना इस पाठ्यक्रम का एक मकसद हैं। उसी प्रकार प्रस्तुत पाठ्यक्रम हिंदी साहित्य के साहित्यिक युगों, काव्य और गद्य शैलियों, लेखकों और उनकी प्रमुख रचनाओं की जानकारी प्रदान करता है। उसी प्रकार इस पाठ्यक्रम में हिंदी के व्यवहारिक पक्ष की चर्चा प्रयोजनमूलक हिंदी के अंतर्गत होनी अपेक्षित है। इस बार विज्ञानं तथा वाणिज्य के छात्रों के लिए विज्ञानं कथाओं तथा नव उद्यमियों की प्रेरक कथाओं का समावेश किया गया है। यह प्रथम बार हिंदी पाठ्यक्रम का हिस्सा बना हुआ है। उपरोक्त आयामों पर यथोचित अनुसंधान की दिशा में अग्रसर करने की कोशिश भी की जाएगी।

Program Specific Outcome PSO (B.A. Hindi) :

After completion of this course, students are expected to learn/understand the:

PSO No.	PSO
1	हिंदी उपन्यास, नाटक, खंडकाव्य, रेखाचित्र एवं लघुकथा के विभिन्न आयामों से अवगत कराना
2	हिंदी साहित्य में निहित मानवीय तथा जीवन मूल्यों का परिचय देना
3	गद्य तथा पद्य से संबंधित विशेष विधाओं एव साहित्यकारों का समुचित मूल्यांकन करना
4	प्रयोजनमूलक हिंदी के अध्ययन के माध्यम से हिंदी के व्यावहारिक पक्ष की पहचान करना
5	विज्ञान कथाओं और उद्यमियों की प्रेरक कहानियों के माध्यम से नव प्रेरणा देने की कोशिश करना

Multiple Entry and Multiple Exit options:

The multiple entry and exit options with the award of UG certificate/ UG diploma/ or three-year degree depending upon the number of credits secured;

Levels	Qualification Title	Credit Requirements		Semester	Year
		Minimum	Maximum		
4.5	UG Certificate	40	44	2	1
5.0	UG Diploma	80	88	4	2
5.5	Three Year Bachelor's Degree	120	132	6	3
6.0	Bachelor's Degree - Honors **Or** Bachelor's Degree- Honors with Research	160	176	8	4

Structure for SYBA, for Academic Year 2024 - 2025
Faculty of Arts, Humanities & Social Sciences
तृतीय सत्र और चतुर्थ सत्र (Semester III & IV)
NEP 2020 के अनुसार
Structure: SYBA Hindi

Semester	Course	Code	TH/ PR/FP	Title of the Paper	Credits	Hours/ week	Total Credits
Sem-III	DSC	HIN DSC- 231	**TH**	खंडकाव्य	4	4	22
	DSC	HIN DSC- 232	**TH**	उपन्यास	2	2	
	DSC	HIN DCS- 233	**TH**	प्रतिनिधि कहानियां	2	2	
	Minor	HIN MIN-231	**TH**	खंडकाव्य	4	4	
	Minor	HIN MIN- 232	**TH**	उपन्यास	2	2	
	OE	HIN OE- 231	**TH**	एकांकी	2	2	
	AEC/ MIL	HIN MIL- 231	**TH**	हिंदी साहित्य एवं भाषा दक्षता	2	2	
	CC	-		-	2	2	
	CEP	HIN CEP 231	PR	Community Engagement Programme	2	4	
Sem-IV	DSC	HIN DSC- 241	**TH**	नाटक	4	4	22
	DSC	HIN DSC- 242	**TH**	लघुकथा	2	2	
	DSC	HIN DSC -243	**TH**	प्रयोजनमूलक हिंदी	2	2	
	Minor	HIN MIN - 241	**TH**	नाटक	4	4	
	OE	HIN OE - 241	**TH**	व्यंग्य साहित्य	4	4	
	AEC/MI L	HIN MIL - 241	**TH**	विज्ञान कथाएं एवं उद्यमियों की प्रेरक कथाएं	2	2	
	CC				2	2	
	FP	HIN FP - 241	PR	Field Project	2	4	

DSC	:	Department-Specific Core course	**IKS**	:	Indian Knowledge System
DSE	:	Department-Specific elective	**CC**	:	Co-curricular course
GE/OE	:	Generic/ Open elective	**TH**	:	Theory
SEC	:	Skill Enhancement Course	**PR**	:	Practical
MIN	:	Minor course	**ES**	:	Environmental studies
AEC	:	Ability Enhancement Course	**CI**	:	Constitution of India
VEC	:	Value Education Courses	**MIL**	:	Modern Indian Languages

तृतीय सत्र (Semester-III)

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN DSC- 231 खंडकाव्य

श्रेयांक (Credits) : 04 **अंतर्गत परीक्षा :** 40

कुल अंक : 100 **सत्रांत परीक्षा:** 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1.छात्रों को आधुक हिंदी काव्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना 2.खंडकाव्य की प्रवृत्तियाँ एवं उनके तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना 3.भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था एवं समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना 4. खंडकाव्य के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता विकसित करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्र आधुनिक हिंदी काव्य और उसकी प्रवृत्तियों से परिचित होंगे 2. छात्र खंडकाव्य के तात्विक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करेंगे 3. छात्रों में भारतीय संस्कृति की समझ एवं समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी 4. खंडकाव्य के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता विकसित होगी	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	**1.खंडकाव्य विधा का सैद्धांतिक परिचय** 1.1 खंडकाव्य का स्वरूप 1.2 खंडकाव्य की परिभाषाएं 1.3 खंडकाव्य के तत्व 1.4 खंडकाव्य का विकास 1.5 महाकाव्य और खंडकाव्य की तुलना	15
Unit II	**2.पुस्तक: महाप्रस्थान (खंडकाव्य)** **कवि: नरेश मेहता** **प्रकाशन : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद** 2.1 नरेश मेहता का व्यक्तित्व एवं कृतित्व 2.2 महाप्रस्थान की भूमिका 2.3 यात्रा पर्व 2.4 स्वाहा पर्व 2.5 स्वर्ग पर्व	15
Unit III	**3. अध्ययनार्थ विषय** 3.1 महाप्रस्थान का आधुनिक बोध 3.2 महाप्रस्थान में मूल्य संवर्धन 3.3 महाप्रस्थान में युद्ध चिंतन 3.4 महाप्रस्थान में मिथकीयता	15

Unit IV	4.**अध्ययनार्थ विषय** 4.1 महाप्रस्थान में उदात्त चरित्र दृष्टि 4.2 महाप्रस्थान की शीर्षक की सार्थकता 4.3 महाप्रस्थान की भाषा शैली 4.4 महाप्रस्थान खंडकाव्य का उद्देश्य	15
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • मिश्र, डॉ.भगीरथ-भारतीय काव्यशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली • बोहरा- आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियां, जयभारती प्रकाशन, जयपुर • नगेंद्र-मिथक और साहित्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली • वर्मा, डॉ.सूर्यनारायण- नई कविता पुराख्यान और समकालीन, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.प्रभाकर-नरेश मेहता का काव्य विमर्श और मूल्यांकन, भ्रमशिल प्रकाशन, जयपुर • गोयल, डॉ. शिव प्रसाद-हिंदी के खंडकाव्य , चिंता प्रकाशन, कानपुर • शर्मा, डॉ.कविता- नरेश मेहता के खंडकाव्य, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद	

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN DSC- 232 उपन्यास

श्रेयांक (Credits) : 02 **अंतर्गत परीक्षा :** 20

कुल अंक : 50 **सत्रांत परीक्षा:** 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. छात्रों को आधुनिक हिंदी कथा साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना 2. उपन्यास के तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना 3. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन करना 4. उपन्यास के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता विकसित करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्र आधुनिक हिंदी कथा साहित्य और उसकी प्रवृत्तियों से परिचित होंगे 2. छात्र उपन्यास के तात्विक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करेंगे 3. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन होगा 4. छात्रों में उपन्यास के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता का विकास होगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	**1.उपन्यास विधा का सैद्धांतिक विवेचन** 1.1 हिंदी उपन्यास का स्वरूप परिभाषा 1.2 उपन्यास के तत्व 1.3 उपन्यास की विकास यात्रा	07
Unit II	**2.निर्धारित पुस्तक : पुस्तक: छप्पर (उपन्यास)** लेखक : जयप्रकाश कर्दम, प्रकाशन : राहुल प्रकाशन, विश्वास नगर, दिल्ली 2.1 जयप्रकाश कर्दम का व्यक्तित्व और कृतित्व	08
Unit III	**3.अध्ययनार्थ विषय** 3.1 छप्पर उपन्यास की कथावस्तु 3.2 छप्पर उपन्यास की भाषा 3.3 छप्पर में शोषण का चित्रण 3.4 छप्पर उपन्यास के पात्रों का चरित्र – चित्रण	07
Unit IV	**4.अध्ययनार्थ विषय** 4.1 छप्पर उपन्यास में चित्रित दलित चेतना 4.2 छप्पर उपन्यास में चित्रित नारी वेदना 4.3 छप्पर उपन्यास का उद्देश्य 4.4 छप्पर उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता	08
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद	

	• शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • तिवारी, डॉ.रामचंद्र, हिंदी गद्य का विकास, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, सं. 1998 • सिंह, बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2008 • द्विवेदी रामअवध, साहित्य रूप, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना,सं.1963, • कर्दम, डॉ.जयप्रकाश (संपा)- दलित साहित्य, आतिश प्रकाशन, दिल्ली • त्रिपाठी, डॉ.सत्यदेव- उपन्यास समकालीन विमर्श, अमन प्रकाशन, कानपुर • शर्मा, डॉ.केशव देव-आधुनिक हिंदी उपन्यास और वर्ग संघर्ष, राधा पब्लिकेशन, दिल्ली • डॉ.आनंद-हिंदी साहित्य में दलित चेतना, विद्या प्रिंटर्स, कानपुर • राम, जगजीवन- भारत में जातिवाद और हरिजन समस्या, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली • कर्दम, डॉ.जयप्रकाश (संपा)- दलित साहित्य, आतिश प्रकाशन, दिल्ली • त्रिपाठी, डॉ.सत्यदेव- उपन्यास समकालीन विमर्श, अमन प्रकाशन, कानपुर

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN DSC- 233 प्रतिनिधि कहानियां

श्रेयांक (Credits) : 02 **अंतर्गत परीक्षा :** 20

कुल अंक : 50 **सत्रांत परीक्षा:** 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. कहानी के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित करना 2. कहानी की सामाजिकता का ज्ञान करना 3. कहानी में व्यक्त जीवनबोध से अवगत करना 4. कहानियों के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता विकसित करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. कहानी के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित होंगे 2. कहानी की सामाजिकता का ज्ञान प्राप्त होंगा 3. कहानी में व्यक्त जीवनबोध से अवगत होंगे 4. कहानियों के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता विकसित होगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	1.1.**कहानी का स्वरूप, तत्व एवं हिंदी कहानी की विकासयात्रा** 1.1 कहानी का स्वरूप परिभाषा 1.2 कहानी के तत्व 1.3 कहानी का विकास	07
Unit II	2.**निर्धारित पुस्तक : प्रतिनिधि कहानियाँ,** **संपादक :** प्रकाशक : जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद पठित कहानियों के लेखकों का संक्षिप्त परिचय— 2.1 माधवराव सप्रे 2.2 जयशंकर प्रसाद 2.3 जैनेद्र कुमार 2.4 प्रेमचंद 2.5 यशपाल 2.6 मोहन राकेश 2.7 मन्नू भंडारी 2.8 उषा प्रियवंदा	08
Unit III	3.**पठित कहानियों का अध्ययन** 3.1 एक टोकरी भर मिटटी 3.2 गुंडा	07

	3.3 पत्नी 3.4 पूस की रात 3.5 परदा 3.6 परमात्मा का कुत्ता 3.7 अकेली 3.8 जिंदगी और गुलाब	
Unit IV	4. **अध्ययनार्थ विषय** 4.1 कहानियों में चित्रित सामाजिकता 4.2 कहानियों की पारिवारिकता 4.3 वृद्ध की मानसिकता 4.4 पात्रों की चारित्रिक विशेषताएँ 4.5 कहानियों के तत्वों के आधार पर समीक्षा 4.6 कहानियों के शीर्षक की सार्थकता	08
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • तिवारी, डॉ.रामचंद्र, हिंदी गद्य का विकास, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, सं. 1998 • सिंह, बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2008 • द्विवेदी रामअवध, साहित्य रूप, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना,सं.1963, • वार्ष्णेय , लक्ष्मी नारायण, आधुनिक कहानी का परिपार्श्व, साहित्य भवन, इलाहाबाद सं.1976 • पुष्पसिंह, समकालीन कहानी का संदर्भ,नेशनल पब्लिकेशन हाऊस, दिल्ली, सं.2006 • श्रीवास्तव, डॉ. परमानंद , हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया , ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर • मधुरेश, हिंदी कहानी का विकास, नई कहानी प्रकाशन, इलाहाबाद • कर्दम, डॉ.जयप्रकाश (संपा)- दलित साहित्य, आतिश प्रकाशन, दिल्ली • त्रिपाठी, डॉ.सत्यदेव- उपन्यास समकालीन विमर्श, अमन प्रकाशन, कानपुर	

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN MIN-231 खंडकाव्य

श्रेयांक (Credits) : 04 **अंतर्गत परीक्षा :** 40

कुल अंक : 100 **सत्रांत परीक्षा:** 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1.छात्रों को आधुक हिंदी काव्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना 2.खंडकाव्य की प्रवृत्तियाँ एवं उनके तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना 3.भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था एवं समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना 4. खंडकाव्य के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता विकसित करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्र आधुनिक हिंदी काव्य और उसकी प्रवृत्तियों से परिचित होंगे 2. छात्र खंडकाव्य के तात्विक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करेंगे 3. छात्रों में भारतीय संस्कृति की समझ एवं समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी 4. खंडकाव्य के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता विकसित होगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	**1.खंडकाव्य विधा का सैद्धांतिक परिचय** 1.1 खंडकाव्य का स्वरूप 1.2 खंडकाव्य की परिभाषाएं 1.3 खंडकाव्य के तत्व 1.4 खंडकाव्य का विकास 1.5 महाकाव्य और खंडकाव्य की तुलना	15
Unit II	**2.पुस्तक: महाप्रस्थान (खंडकाव्य)** **कवि: नरेश मेहता** **प्रकाशन : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद** 2.1 नरेश मेहता का व्यक्तित्व एवं कृतित्व 2.2 महाप्रस्थान की भूमिका 2.3 यात्रा पर्व 2.4 स्वाहा पर्व 2.5 स्वर्ग पर्व	15
Unit III	**3. अध्ययनार्थ विषय** 3.1 महाप्रस्थान का आधुनिक बोध 3.2 महाप्रस्थान में मूल्य संवर्धन 3.3 महाप्रस्थान में युद्ध चिंतन 3.4 महाप्रस्थान में मिथकीयता	15

Unit IV	4.**अध्ययनार्थ विषय** 4.1 महाप्रस्थान में उदात्त चरित्र दृष्टि 4.2 महाप्रस्थान की शीर्षक की सार्थकता 4.3 महाप्रस्थान की भाषा शैली 4.4 महाप्रस्थान खंडकाव्य का उद्देश्य	15
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • मिश्र, डॉ.भगीरथ-भारतीय काव्यशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली • बोहरा- आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियां, जयभारती प्रकाशन, जयपुर • नगेंद्र-मिथक और साहित्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली • वर्मा, डॉ.सूर्यनारायण- नई कविता पुराख्यान और समकालीन, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.प्रभाकर-नरेश मेहता का काव्य विमर्श और मूल्यांकन, भ्रमशिल प्रकाशन, जयपुर • गोयल, डॉ. शिव प्रसाद-हिंदी के खंडकाव्य , चिंता प्रकाशन, कानपुर • शर्मा, डॉ.कविता- नरेश मेहता के खंडकाव्य, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद	

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN MIN-232 उपन्यास

श्रेयांक (Credits) : 02 **अंतर्गत परीक्षा :** 20

कुल अंक : 50 **सत्रांत परीक्षा:** 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1.छात्रों को आधुनिक हिंदी कथा साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना 2.उपन्यास के तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना 3. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन करना 4. उपन्यास के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता विकसित करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1.छात्र आधुनिक हिंदी कथा साहित्य और उसकी प्रवृत्तियों से परिचित होंगे 2. छात्र उपन्यास के तात्विक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करेंगे 3. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन होगा 4. छात्रों में उपन्यास के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता का विकसित होगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	**1.उपन्यास विधा का सैद्धांतिक विवेचन** 1.1 हिंदी उपन्यास का स्वरूप परिभाषा 1.2 उपन्यास के तत्व 1.3 उपन्यास की विकास यात्रा	07
Unit II	**2.निर्धारित पुस्तक :** पुस्तक: **छप्पर (उपन्यास)** लेखक: जयप्रकाश कर्दम, प्रकाशन: राहुल प्रकाशन, विश्वास नगर, दिल्ली 2.1 जयप्रकाश कर्दम का व्यक्तित्व और कृतित्व	08
Unit III	**3.अध्ययनार्थ विषय** 3.1 छप्पर उपन्यास की कथावस्तु 3.2 छप्पर उपन्यास की भाषा 3.3 छप्पर में शोषण का चित्रण 3.4 छप्पर उपन्यास के पात्रों का चरित्र – चित्रण	07
Unit IV	**4.अध्ययनार्थ विषय** 4.1 छप्पर उपन्यास में चित्रित दलित चेतना 4.2 छप्पर उपन्यास में चित्रित नारी वेदना 4.3 छप्पर उपन्यास का उद्देश्य 4.4 छप्पर उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता	08
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद	

	• शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • तिवारी, डॉ.रामचंद्र, हिंदी गद्य का विकास, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, सं. 1998 • सिंह, बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2008 • द्विवेदी रामअवध, साहित्य रूप, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना,सं.1963, • कर्दम, डॉ.जयप्रकाश (संपा)- दलित साहित्य, आतिश प्रकाशन, दिल्ली • त्रिपाठी, डॉ.सत्यदेव- उपन्यास समकालीन विमर्श, अमन प्रकाशन, कानपुर • शर्मा, डॉ.केशव देव-आधुनिक हिंदी उपन्यास और वर्ग संघर्ष, राधा पब्लिकेशन, दिल्ली • डॉ.आनंद-हिंदी साहित्य में दलित चेतना, विद्या प्रिंटर्स, कानपुर • राम, जगजीवन- भारत में जातिवाद और हरिजन समस्या, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली • कर्दम, डॉ.जयप्रकाश (संपा)- दलित साहित्य, आतिश प्रकाशन, दिल्ली • त्रिपाठी, डॉ.सत्यदेव- उपन्यास समकालीन विमर्श, अमन प्रकाशन, कानपुर

B.Com, B.Sc, BBA, BCA

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN OE-231 एकांकी

श्रेयांक (Credits) : 02 **अंतर्गत परीक्षा :** 20

कुल अंक : 50 **सत्रांत परीक्षा:** 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. हिंदी एकांकी विधा के उद्‌भव और विकास की जानकारी देना 2. एकांकी विधा की प्रकृति और संरचना की समझ विकसित करना 3. एकांकियों के माध्यम से छात्रों को जीवन और समाज के विभिन्न उद्देश्यों की समझ देना 4. एकांकी के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता विकसित करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. हिंदी एकांकी विधा के उद्‌भव और विकास की जानकारी मिलेगी 2. एकांकी विधा की प्रकृति और संरचना की समझ विकसित होगी 3. एकांकियों के माध्यम से छात्रों को जीवन और समाज के विभिन्न उद्देश्यों की समझ विकसित होगी 4. एकांकी के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता विकसित होगी	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	**1.एकांकी का स्वरूप एवं विकास** 1.1 एकांकी का स्वरूप एवं परिभाषा 1.2 एकांकी के तत्व 1.3 एकांकी का विकासक्रम 1.4 नाटक एवं एकांकी में अंतर	07
Unit II	**2.निर्धारित एकांकी संग्रह- एकांक-रश्मि** **संपा. प्रा.अरुण पाटील,** **प्रकाशन- विद्या प्रकाशन, कानपुर** **अध्ययनार्थ एकांकियाँ -** 2.1 अंधेर नगरी - भारतेंदु हरिश्चंद्र 2.2 औरंगजेब की आखिरी रात -डॉ.रामकुमार वर्मा 2.3 सूखी डाली- उपेंद्रनाथ अश्क	08
Unit III	3.1 मकड़ी का जाला - जगदीश चंद्र माथुर 3.2 संस्कार और भावना - विष्णु प्रभाकर 3.3 यहाँ रोना मना है- ममता कालिया	07
Unit IV	**4.अध्ययनार्थ विषय** 4.1 कानून व्यवस्था पर व्यंग्य 4.2 मानसिक संघर्ष एवं अंतर्द्वंद का चित्रण 4.3 पीढ़ी संघर्ष की समस्या 4.4 संयुक्त परिवार का महत्व 4.5 बेरोजगारी की समस्या 4.6 आंतरजातीय विवाह का चित्रण	08

	4.7 नारी जीवन की पीड़ा, घुटन एवं संघर्ष का चित्रण	
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • तिवारी, डॉ.रामचंद्र, हिंदी गद्य का विकास, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, सं. 1998 • महेंद्र, रामचरण- - हिंदी एकांकी और एकांकीकार, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा • महेंद्र, रामचरण-हिंदी एकांकी : उद्भव और विकास , साहित्य प्रकाशन, दिल्ली • सिंह, राम रतन-एकांकी कला, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद • सत्येंद्र, हिंदी एकांकी, साहित्य, रत्न भंडार, आगरा • कुमार, सिद्धनाथ - हिंदी एकांकी की शिल्प विधि का विकास, रामबाग, कानपुर • ओझा, दशरथ- हिंदी एकांकी नाटक उद्भव और विकास, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली	

SYBA, B.Com, B.Sc, BBA, BCA

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN MIL-231 हिंदी साहित्य और भाषा दक्षता

श्रेयांक (Credits) : 02 **अंतर्गत परीक्षा :** 20

कुल अंक : 50 **सत्रांत परीक्षा:** 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1.छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रूचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं एवं इतिहास से परिचित कराना 2.छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से परिचित कराना 3.छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं को विकसित कराना 4.छात्रों में विद्यार्थियों में सामाजिक समरसता का भाव निर्माण करना 5.छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1.छात्र हिंदी साहित्य के प्रति रूचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं एवं इतिहास से परिचित हो सकेंगे 2. छात्र हिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से परिचित होंगे 3. छात्रों का हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं का विकास होगा 4. छात्रों में सामाजिक समरसता का भाव निर्माण होगा 5. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा मिलेगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	**1.हिंदी की चयनित गद्य रचनाएँ** 1.1 कफ़न — प्रेमचंद 1.2 आचरण की सभ्यता — सरदार पूर्ण सिंह 1.3 भोलाराम का जीव — हरिशंकर परसाई 1.4 मेरी तिब्बत यात्रा (ल्हासा की ओर) — राहुल सांकृत्यायन	07
Unit II	**2.मध्ययुगीन काव्य** **1. संत कबीर** दोहा : निंदक नेडा राखिये,आँगणि कुटि बँधाए। बिन साबन पाणी बिना,निरमल करै सुभाइ ॥ दोहा : सतगुरु की महिमा अनँत, अनँत किया उपगार। लोचन अनँत उघाडिया, अनँत दिखावणहार ॥ 2. **रहीम** दोहा : बिगरी बात बनै नहीं, लाख करौ किन कोय। रहिमन फाटे दूध को, मथे न माखन होय ॥ दोहा : बड़े बड़ाई ना करै,बड़ो न बोलै बोल। रहिमन हीरा कब कहैं,लाख टका मेरो मोल ॥	08

	3.**बिहारी** दोहा : चिरजीवौ जोरी जुरैं क्यौं न सनेह गंभीर। को घटि ये वृषभानुजा वे हलधर के बीर॥ दोहा : बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकाय। सौह करें भौहनी हँसै दैन कहें नटि जाय ॥	
Unit III	3.**आधुनिक काव्य** 1.कलगी बाजरे की **अज्ञेय** 2.पुष्प की अभिलाषा **माखनलाल चतुर्वेदी** 3.झाँसी की रानी **सुभद्रा कुमारी चौहान** 4. कुकुरमुत्ता **निराला** 5. लोग टूट जाते है एक घर बनाने में **बशीर बद्र**	07
Unit IV	4.1 **पत्र लेखन** 1.औपचारिक पत्र 2. अनौपचारिक पत्र 4.2 **अन्य** 1.**मुहावरे** - शरीर के अंगों से संबंधित ,फल और सब्जियों से संबंधित। 2.**कहावते**- नैतिक मूल्य से संबंधित, प्राणियों से संबंधित	08
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद • भ्रमर, डॉ.रवीन्द्र, समकालीन हिंदी कविता, राजेश प्रकाशन, नई दिल्ली,सं.1972 • शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • तिवारी, डॉ.रामचंद्र, हिंदी गद्य का विकास, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, सं. 1998 • सिंह, बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2008 • स्वरूप पुष्पा, हिंदी काव्य धारा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,सं.1965 • राय, डॉ.बरमेश्वर नाथ (संपा.), आधुनिक हिंदी काव्य प्रवाह, शैलजा, प्रकाशन, कानपुर, सं.2014 • मुरुमकर,डॉ.दत्तात्रय, आधुनिक हिंदी साहित्य वाद, प्रवुत्तियां एवं विमर्श, साहित्य संस्थान, गाझियाबाद, नई दिल्ली, प्र.सं.2012 • द्विवेदी रामअवध, साहित्य रूप, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना,सं.1963, • वार्ष्णेय , लक्ष्मी नारायण, आधुनिक कहानी का परिपार्श्व, साहित्य भवन, इलाहाबाद सं.1976 • पुष्पसिंह, समकालीन कहानी का संदर्भ,नेशनल पब्लिकेशन हाऊस, दिल्ली, सं.2006	

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN CEP-231 Community Engagement Programme

श्रेयांक (Credits) : 02 **कुल अंक :** 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. सामाजिक संबद्धता हेतु छात्रों को तैयार करना 2. छात्रों की सोच और प्रतिबद्धता को प्रेरणा प्रदान करना 3. सामाजिक समस्याओं के प्रति जाग्रत करना 4. समाज में प्रत्यक्ष जाकर कृतिशील गतिविधियों का संचालन करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. सामाजिक संबद्धता हेतु छात्रों को तैयार हो पाएंगे 2. छात्रों की सोच और प्रतिबद्धता को प्रेरणा प्राप्त होगी 3. छात्र सामाजिक समस्याओं के प्रति जाग्रत होंगे 4. छात्र समाज में प्रत्यक्ष जाकर कृतिशील गतिविधियों का संचालन कर सकेंगे	
प्रत्यक्ष गांवों या अंचलों में जाकर विविध गतिविधियां अध्यापन / पोस्टर प्रदर्शनी / नुक्कड़ नाटक प्रस्तुति / वीडियो प्रसारण कार्यक्रम / चित्रकला प्रतियोगिता / व्याख्यान / निबंध लेखन		60

चतुर्थ सत्र (Semester - IV)

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

चतुर्थ सत्र (Semester IV)

HIN DSC-241 नाटक

श्रेयांक (Credits) : 04 **अंतर्गत परीक्षा :** 40

कुल अंक : 100 **सत्रांत परीक्षा:** 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. छात्रों को आधुनिक हिंदी नाटक साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना 2. नाटक के तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना 3. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन करना 4. नाटक के अध्ययन से साहित्यिक चिंतन, मनन की क्षमता विकसित करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्रों को आधुनिक हिंदी नाटक साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित हो पाएंगे 2. छात्रों को नाटक के तात्विक स्वरूप का ज्ञान होगा 3. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन होगा 4. छात्रों में नाटक के अध्ययन से साहित्यिक चिंतन, मनन की क्षमता का विकास होगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	1.**नाटक विधा का सैद्धांतिक विवेचन** 1.1 नाटक का स्वरूप एवं परिभाषाएं 1.2 नाटक के तत्व 1.3 नाटक एवं एकांकी की तुलना 1.4 हिंदी नाटक की विकास यात्रा	15
Unit II	नाटक : **एक और द्रोणाचार्य (नाटक)** लेखक: शंकर शेष प्रकाशन: रामेश्वरी प्रकाशन, नई दिल्ली 2.1 डॉ शंकर शेष का व्यक्तित्व और कृतित्व	15
Unit III	3.**अध्ययनार्थ विषय** 3.1 कथावस्तु 3.2 चरित्र चित्रण 3.3 संवाद 3.4 भाषा शैली 3.5 विचार दर्शन 3.6 अभिनेयता और रंगमंच	15
Unit IV	4.**अध्ययनार्थ विषय** 4.1 पौराणिक कथावस्तु से आधुनिक बोध 4.2 मिथकीय पात्र और समकालीन पात्रों में समानता 4.3 समकालीन शिक्षा व्यवस्था पर व्यंग्य 4.4 प्रस्तुत नाटक का उद्देश्य	15

संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • तिवारी, डॉ.रामचंद्र, हिंदी गद्य का विकास, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, सं. 1998 • सिंह, बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2008 • द्विवेदी रामअवध, साहित्य रूप, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना,सं.1963, • गौतम, डॉ.सुरेश,गौतम.डॉ. वीणा-राजपथ से जनपद नट शिल्पी शंकर शेष,नालंदा प्रकाशन, दिल्ली • भारती, विनय (संपा.) - समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच, भाषा प्रकाशन , दिल्ली • जैन, नेमीचंद्र- आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच, दी मैकेनिकल कंपनी ऑफ इंडिया लि. दिल्ली • गौतम.डॉ. वीणा- आधुनिक हिंदी नाटकों में मध्यम वर्गीय चेतना, संजय प्रकाशन, दिल्ली • पंड्या, डॉ. जसवंत भाई -शंकर शेष के नाटकों का रंग शिल्प, ज्ञान प्रकाशन, कानपुर • कटारा, डॉ,उषा- शंकर शेष का नाटक साहित्य, शिवा पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर, उदयपुर • डॉ. नगेंद्र-आधुनिक हिंदी नाटक, साहित्य रत्न भंडार, आगरा

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

चतुर्थ सत्र (Semester IV)

HIN DSC-242 लघुकथा

श्रेयांक (Credits) : 02 **अंतर्गत परीक्षा :** 20

कुल अंक : 50 **सत्रांत परीक्षा:** 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. छात्रों को लघुकथा साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना 2. लघुकथा के तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना 3. लघुकथा के अध्ययन द्वारा छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन करना 4. लघुकथा के अध्ययन से साहित्यिक चिंतन, मनन की क्षमता विकसित करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्र लघुकथा साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित होंगे 2. छात्रों को लघुकथा के तात्विक स्वरूप का ज्ञान मिलेगा 3. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन होगा 4. छात्रों में लघुकथा के अध्ययन से साहित्यिक चिंतन, मनन की क्षमता का विकसित होगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	1. **लघुकथा : सैद्धांतिकी** 1.1 लघुकथा का स्वरूप 1.2 लघुकथा की परिभाषा 1.3 लघुकथा की विशेषताएँ 1.4 लघुकथा और कहानी	07
Unit II	2. पुस्तक: **हिंदी की प्रतिनिधि लघुकथाएँ** संपादक : **डॉ.रामकुमार घोटड़** प्रकाशन: **नमन प्रकाशन, नई दिल्ली** **निर्धारित कहानियां : भाग** 1 1. कलावती की शिक्षा - जयशंकर प्रसाद 2. बड़ा क्या है ? - पं.हजारीप्रसाद द्विवेदी 3. राष्ट्र का सेवक - मुंशी प्रेमचंद 4. गिलट - उपेन्द्रनाथ अश्क 5.शौचालय - विनोबा भावे 6. बीज बनने की राह - रामधारीसिंह दिनकर 7. अपना- पराया - हरिशंकर परसाई	08
Unit III	3. **निर्धारित कहानियां : भाग** 2 1 .कुल्हाड़ा और कलर्क - पूरन मुदगल 2.आग्रह - सतीश राठी 3. आम आदमी - शंकर पुणतांबेकर 4. इंसानियत - चित्तरंजन भारती 5. ईद मुबारक - डॉ.किशोर काबरा	07

	6. किसान - कमलेश भारती 7. मंहगाई भत्ता - उषा महेश्वरी 8. रिश्ता - चित्रा मुदगल	
Unit IV	4. **अध्ययनार्थ विषय** 4.1 तत्त्वों के आधार पर समीक्षा 4.2 चरित्र -चित्रण की दृष्टि 4.3 सामाजिकता 4 4..वर्गगत चेतना 4.5 आधुनिक बोध 4.6 पारिवारिक मूल्य 4.7 व्यंग्यात्मकता 4.8 मूल्य संवर्धन और मूल्य विघटन की दशा 4.9 राजनीतिक बोध 4.10 भाषा-शैली	08
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • तिवारी, डॉ.रामचंद्र, हिंदी गद्य का विकास, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, सं. 1998 • सिंह, बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2008 • द्विवेदी रामअवध, साहित्य रूप, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना,सं.1963, • कलशेट्टी, डॉ. महादेव काशीनाथ -हिंदी लघुकथाओं में व्यंग्य, शुभम पब्लिकेशन, कानपूर • दुबे, डॉ.सतीश-आठवें दशक की लघुकथाएँ, समता प्रकाशन, इंदौर • शर्मा, रमेशकुमार- हिंदी लघुकथा : स्वरूप एवं इतिहास, दीनमान प्रकाशन, दिल्ली • पुणतांबेकर, डॉ.शंकर- श्रेष्ठ लघुकथाएँ, पुस्तक संस्थान, कानपूर • श्रीवास्तव, डॉ.परमानंद-हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर • मधुरेश-हिंदी कहानी का विकास, नई कहानी प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.ब्रह्मस्वरूप-हिंदी कहानी की विकास यात्रा, मनु प्रकाशन, नई दिल्ली	

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

चतुर्थ सत्र (Semester IV)

HIN DSC-243 प्रयोजनमूलक हिंदी

श्रेयांक (Credits) : 02 **अंतर्गत परीक्षा :** 20

कुल अंक : 50 **सत्रांत परीक्षा:** 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. छात्रों में हिंदी लेखन के प्रति रूचि निर्माण कराना 2. हिंदी के व्यावहारिक उपयोगिता का ज्ञान देना 3. प्रस्तुत अध्यापन के द्वारा रोजगार की संभावनाओ से अवगत कराना 4. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्रों में हिंदी लेखन के प्रति रूचि निर्माण होगी 2. हिंदी के व्यवहारिक उपयोगिता का ज्ञान मिलेगा 3. छात्र प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा रोजगार की संभावनाओ से अवगत हो पाएंगे 4. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा मिलेगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	1. प्रयोजनमूलक हिंदी स्वरूप और परिभाषा 2. प्रयोजनमूलक हिंदी के क्षेत्र 3. प्रयोजनमूलक हिंदी की उपयोगिता 4. प्रयोजनमूलक हिंदी की विशेषताएं	07
Unit II	1. सामान्य, आवेदन तथा सरकारी पत्र लेखन 2. सामाजिक, शैक्षिक तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए रिपोर्ताज लेखन	08
Unit III	1.पारिभाषिक शब्दावली : अवधारणा और निर्माण प्रक्रिया 2. बैंक, बीमा, रेल आदि से संबंधित पारिभाषिक शब्दावली (*पारिभाषिक शब्दावली सूची संलग्न हैं ।)	07
Unit IV	**पत्रकारिता** स्वरूप और अवधारणा, पत्रकारिता के प्रकार, संपादकीय दायित्व और समाचार संपादन,	08
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सिंह, डॉ.रामगोपाल, प्रयोजनमूलक हिंदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली • सोनटक्के , डॉ.माधव, प्रयोजनमूलक हिंदी, अमन प्रकाशन, कानपूर • झाल्टे , डॉ.दंगल, प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली • देशमुख, डॉ.अंबादास, प्रयोजनमूलक हिंदी के अधुनातन आयाम, अमन प्रकाशन, कानपूर • पाटील, डॉ.उर्मिला, प्रयोजनमूलक हिंदी : भाग 1 और 2, शैलजा प्रकाशन, कानपुर • संपा. शेडगे, डॉ.सुधाकर, डॉ.गोविन्द , बुरसे , - प्रयोजनमूलक हिंदी : चिंतन अनुचिंतन, प्रशासनिक शब्दावली (हिंदी और अंग्रेजी) केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली	

* पारिभाषिक शब्दावली सूची *

Agreement	करार /अनुबंध	Face value	अंकित मूल्य	Key raw material	आधारभूत कच्चा मॉल	Pending	अनिर्णीत
Amount	राशी/रक्कम	Financial year	वित्तीय वर्ष	Key sector	मूल क्षेत्र	Price index	मूल्य सूचकांक
Allowance	भत्ता	Firm	कंपनी/व्यवसाय	Lean year	मंदा वर्ष	Profit	लाभ
Blance sheet	तुलन पत्र	Forum	मंच	License	अनुज्ञप्ति	Quantitative	परिणामात्मक
Banker	साहूकार	Guarantee	आश्वासन	Lock out	तालाबंदी	Quarterly	तिमाही/त्रैमासिक
Benefit	लाभ/ हित	Guarantor	आश्वासक	Manual	नियमावली	Query	प्रश्नचिन्ह
Compromise	समझौता	Honorarium	मानदेय	Negotiation	(समझौते) की बातचीत	Regional	क्षेत्रीय/ प्रादेशिक
Confiscation	जब्ती	Hypothecate	गिरवी रखना	Nominate	नामनिर्देश	Schedule	तालिका
Dead account	बंद खता	Incidental	प्रासंगिक	Norms	मानक/मानदंड	Scorer	गणक
Debenture	ऋणपत्र	Indenture	ऋणपत्र/करार नामा	On demand	मांगने पर	Scrutiny	छानबीन
Employer	नियोजक	Joining report	कार्यारंभ प्रतिवेदन	Orders	आदेश	Sequence	अनुक्रम
Enclosure	सलग्नक	Joint venture	संयुक्त उपक्रम	Original cast	मूल लागत	Tenure	कार्यकाल
Exchange ratio	विनिमय दर	Jurisdiction	क्षेत्राधिकार	Option	विकल्प	Time bond	समय बद्ध
Clause	खंड	Transaction	लेन-देन	On deputation	प्रतिनियुक्ति पर	Table	सारणी/पटल
Complaint	शिकायत	Undertaking	वचनबंध	Transaction	लेन-देन	Under review	समीक्षाधीन
Confidential	गोपनीय	Underwriter	हामीदार	Undertaking	वचनबंध	Urgent	अत्यावश्यक
Context	सन्दर्भ	Unofficial	अशासकीय	Underwriter	हामीदार	Verbal discussion	मौखिक विमर्श
Constructive	रचनात्मक	Vague	अस्पष्ट	High priority	उच्च प्राथमिकता	Work sheet	कार्य पत्रक
Declaration	घोषणा	Validity	वैधता	Irregularities	अनियमितता	Working days	कार्य दिवस
Designation	पदनाम	Violation	उल्लंघन	Inspection	निरिक्षण	Warning	चेतावनी
Directive	निदेश	Warehouse	माल गोदाम	Liability	देयता/योग्यता	Zonal office	क्षेत्रीय कार्यालय

Emergence	आपात	Wholesale	थोक व्यापर	Pattern	ढांचा	Agent	अभिकर्ता/ एजंट
Exigency	तात्कालिक आवश्यकता	Zonal	क्षेत्रीय	Permission	अनुमति	Advance copy	अग्रिम प्रति
Explanation	स्पष्टीकरण	Liable	दायी/जिम्मेदारी	Persistent	निरंतर	Amendment	संशोधन
Endorsement	पृष्ठांकन	Lease	पट्टे पर देना	Punishable	दंडनीय	Applicable	लागु
Folio	फोलियो	Memorandum	ज्ञापन	Realignment	मान्यताप्राप्त	Article	अनुच्छेद
Forgery	जालसाजी	Miscellaneous	विविध	Realisation	परिपूर्ति / वसूली	Table	सारणी/पटल
Guidance	निर्देशन	Modification	संशोधन	Recognised		Under review	समीक्षाधीन
General	सामान्य	Mode of payment	भुगतान की पद्धति	Remarkable	उल्लेखनीय	Urgent	अत्यावश्यक
Guardian	संरक्षक	Negligence	लापरवाही	Revision	पुनरीक्षण/ दोहराना	Verbal discussion	मौखिक विमर्श
Gazette	राजपत्र	Non – security	गैरकानूनी	Statistical	सांख्यिकीय	Work sheet	कार्य पत्रक

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

चतुर्थ सत्र (Semester IV)

HIN-MIN-241 नाटक

श्रेयांक (Credits) : 04 **अंतर्गत परीक्षा :** 40

कुल अंक : 100 **सत्रांत परीक्षा:** 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. छात्रों को आधुनिक हिंदी नाटक साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना 2. नाटक के तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना 3. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन करना 4. नाटक के अध्ययन से साहित्यिक चिंतन, मनन की क्षमता विकसित करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्रों को आधुनिक हिंदी नाटक साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित हो पाएंगे 2. छात्रों को नाटक के तात्विक स्वरूप का ज्ञान होगा 3. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन होगा 4. छात्रों में नाटक के अध्ययन से साहित्यिक चिंतन, मनन की क्षमता का विकसित होगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	1.**नाटक विधा का सैद्धांतिक विवेचन** 1.1 नाटक का स्वरूप एवं परिभाषाएं 1.2 नाटक के तत्व 1.3 नाटक एवं एकांकी की तुलना 1.4 हिंदी नाटक की विकास यात्रा	15
Unit II	**नाटक : एक और द्रोणाचार्य (नाटक)** **लेखक :** शंकर शेष प्रकाशन : रामेश्वरी प्रकाशन, नई दिल्ली 2.1 डॉ शंकर शेष का व्यक्तित्व और कृतित्व	15
Unit III	**3.अध्ययनार्थ विषय** 3.1 कथावस्तु 3.2 चरित्र चित्रण 3.3 संवाद 3.4 भाषा शैली 3.5 विचार दर्शन 3.6 अभिनेयता और रंगमंच	15
Unit IV	**4.अध्ययनार्थ विषय** 4.1 पौराणिक कथावस्तु से आधुनिक बोध 4.2 मिथकीय पात्र और समकालीन पात्रों में समानता 4.3 समकालीन शिक्षा व्यवस्था पर व्यंग्य 4.4 प्रस्तुत नाटक का उद्देश्य	15

संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • तिवारी, डॉ.रामचंद्र, हिंदी गद्य का विकास, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, सं. 1998 • सिंह, बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2008 • द्विवेदी रामअवध, साहित्य रूप, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना,सं.1963, • गौतम, डॉ.सुरेश,गौतम.डॉ. वीणा-राजपथ से जनपद नट शिल्पी शंकर शेष,नालंदा प्रकाशन, दिल्ली • भारती, विनय (संपा.) - समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच, भाषा प्रकाशन , दिल्ली • जैन, नेमीचंद्र- आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच, दी मैकेनिकल कंपनी ऑफ इंडिया लि. दिल्ली • गौतम.डॉ. वीणा- आधुनिक हिंदी नाटकों में मध्यम वर्गीय चेतना, संजय प्रकाशन, दिल्ली • पंड्या, डॉ. जसवंत भाई -शंकर शेष के नाटकों का रंग शिल्प, ज्ञान प्रकाशन, कानपुर • कटारा, डॉ,उषा- शंकर शेष का नाटक साहित्य, शिवा पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर, उदयपुर • डॉ. नगेंद्र-आधुनिक हिंदी नाटक, साहित्य रत्न भंडार, आगरा

B.Com, B.Sc, BBA, BCA

चतुर्थ सत्र (Semester IV)

HIN OE-241 व्यंग्य साहित्य

श्रेयांक (Credits) : 04 **अंतर्गत परीक्षा :** 40

कुल अंक : 100 **सत्रांत परीक्षा:** 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. हिंदी के व्यंग्य साहित्य से परिचित कराना 2. हास्य और व्यंग्य के अंतर को समझाना 3. व्यंग्य की व्यंजनात्मक भाषा से परिचित कराना 4. हिंदी व्यंग्य लेखन परम्परा से अवगत कराना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. हिंदी के व्यंग्य साहित्य से परिचित होंगे 2. हास्य और व्यंग्य के अंतर को समझेंगे 3. व्यंग्य की व्यंजनात्मक भाषा से परिचित होंगे 4. हिंदी व्यंग्य लेखन परम्परा से अवगत होंगे	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	**1.व्यंग्य का स्वरूप और सिद्धांत** 1.1 व्यंग्य का स्वरूप और सिद्धांत 1.2 व्यंग्य की परिभाषा 1.3 व्यंग्य के तत्व 1.4 व्यंग्य के प्रकार 1.5 हास्य और व्यंग्य में अंतर 1.6 व्यंग्य लेखन की परंपरा	15
Unit II	**2.शंकर पुणतांबेकर के चयनित व्यंग्य -भाग** -1 2.1 आदर्श एवं यथार्थ 2.2 कालिदास और शेक्सपियर 2.3 जंगल 2.4 तीन सिकंदर 2.5 नाग का जनमेजय यज्ञ 2.6 निष्ठा का पेड़ 2.7 पगडंडी 2.8 पादचारी	15
Unit III	**3.शंकर पुणतांबेकर के चयनित व्यंग्य-भाग** -2 3.1 भारत और इंडिया 3.2 मेरे नाविक 3.3 यज्ञ 3.4 रुग्णालय की गोड में 3.5 लॉकर का भूत	15

	3.6 प्रतिबिंब 3.7 बाढ 3.8 ब्युरोक्रेट	
Unit IV	**4.अध्ययनार्थ विषय** 4.1 राजनीतिक व्यंग्य 4.2 सामाजिक व्यंग्य 4.3 मनोवैज्ञानिक व्यंग्य 4.4 पौराणिक व्यंग्य 4.5 ऐतिहासिक व्यंग्य 4.6 आर्थिक व्यंग्य 4.7 धार्मिक व्यंग्य 4.8 नौकरशाही व्यंग्य	15
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• नागर, श्री अमृतलाल , मेरी श्रेष्ठ व्यंग्य रचनाएं , ज्ञान भारती प्रकाशन, दिल्ली- 1977 • मेहंदीरता, डॉ.वीरेंद्र ,आधुनिक हिंदी साहित्य में व्यंग्य, रिसर्च पब्लिकेशन इनसोशल साइंस, दिल्ली - 1976 • शर्मा, डॉ.उषा , स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य में व्यंग्य , आत्माराम एंड संस, दिल्ली - 1985 • दीक्षित, डॉ.प्रेम नारायण, हास्य के सिद्धांत तथा आधुनिक साहित्य, साहित्य भंडार, लखनऊ - 1954 • शुक्ल, डॉ.प्रेमनारायण, हिंदी साहित्य के विविध वाद, हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ -प्र.सं 1980 • मिश्र, डॉ.सभापति, हिंदी नाट्य साहित्य में हास्य व्यंग्य , साहित्य रत्नालय, कानपुर – 1980 • पुणतांबेकर, डॉ. शंकर, कैक्टस के कांटे , पंचशील प्रकाशन, जयपुर - 1974 • डॉ. शांतारानी, हिंदी नाटकों में हास्य तत्व, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद-1981 • गर्ग, डॉ. शेरजंग, व्यंग्य की मूलभूत प्रश्न, साहित्य भारती, दिल्ली - प्र.सं 1973 • वर्मा, डॉ.राधेश्याम, हिंदी व्यंग उपन्यास, साहित्य भारती, दिल्ली - प्र.सं 1990 • पाटिल,रा.वा., एक व्यंग्य यात्रा, आलोक संस्कृति अकादमी, जलगांव – 1987 • दुबे, डॉ. हरिशंकर, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य में व्यंग्य , विकास प्रकाशन, कानपुर	

SYBA, B.Com, B.Sc, BBA, BCA

चतुर्थ सत्र (Semester IV)

HIN MIL-241 विज्ञान कथाएं एवं उद्यमियों की प्रेरक कथाएं

श्रेयांक (Credits) : 02 **अंतर्गत परीक्षा :** 20

कुल अंक : 50 **सत्रांत परीक्षा:** 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1.छात्रों की विज्ञान कथाओं एवं उद्यमियों की जीवन कथाओं से परिचित करना 2.छात्रों को विज्ञान एवं प्रेरक रचनाकारों से परिचित कराना 3.छात्रों को उद्यमिता के मूल सिद्धांतों को समझाना 4.छात्रों में उद्यमियों के नवाचार और जोख़िम एवं नेतृत्व को जानना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्र विज्ञान कथाओं एवं उद्यमियों की जीवन कथाओं से परिचित हो सकेंगे 2. छात्र विज्ञान एवं प्रेरक रचनाकारों से परिचित हो पाएंगे 3. छात्र उद्यमिता के मूल सिद्धांतों को समझ सकेंगे 4. छात्र उद्यमियों के नवाचार और जोख़िम एवं नेतृत्व को जान सकेंगे और प्रेरित होंगे	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	**1.निर्धारित पाठ्यपुस्तक : रोमांचक विज्ञान कथाएँ** **संपादक:- जयंत विष्णु नारलीकर** **प्रकाशन:- विद्या विहार प्रकाशन,नई दिल्ली ।** विज्ञान कथा का स्वरुप, विज्ञान कथा का विकास क्रम, विज्ञान कथा की परिभाषाएँ, विज्ञान कथा का अर्थ, विज्ञान कथाओं का महत्व, विज्ञान कथाओं में विज्ञान और कल्पना का मेल।	07
Unit II	**2.अध्ययनार्थ विज्ञान कथाएँ** 1. हिम युग की वापसी 2. और मुंबई जल उठा 3. साहसिक कार्य 4. हरे आक्रमणकारी 5. वायरस	08
Unit III	**3.निर्धारित पाठ्य पुस्तक : मेरे देश की धरती** **संपादक : रश्मि बंसल** **प्रकाशन:- वैस्टलैंड़ लिमिटेड, यात्रा विद्या प्रकाशन, नई दिल्ली ।** उद्यमशिलता कथा का स्वरुप उद्यमशिल कथा का विकास क्रम उद्यमशिलता कथा की परिभाषाएँ उद्यमशिलता कथा का अर्थ उद्यमशिल कथाओं का महत्व	07

Unit IV	**4.अध्ययनार्थ प्रेरक कथाएं** 1.खारा नमक - चंदूभाई वीरानी - बालाजी वेफर्स 2.कुछ अच्छे इंसान - नंदकिशोर चौधरी -जयपुर रग्स 3.पहला नशा - विवेक देशपांडे	08
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• रोमांचक विज्ञान कथाएँ- जयंत विष्णु नारलीकर संपादक,प्रकाशन-विद्या विहार प्रकाशन,नई दिल्ली • मेरे देश की धरती - रश्मि बंसल संपादक- वैस्टलैंड़ लिमिटेड,यात्रा विद्या प्रकाशन,नई दिल्ली	

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN FP-241 Field Project

श्रेयांक (Credits) : 02 **कुल अंक :** 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. सामाजिक संबद्धता हेतु छात्रों को तैयार करना 2. छात्रों की सोच और प्रतिबद्धता को प्रेरणा प्रदान करना 3. सामाजिक समस्याओं के प्रति जाग्रत करना 4. समाज में प्रत्यक्ष जाकर कृतिशील गतिविधियों का संचालन करना
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. सामाजिक संबद्धता हेतु छात्रों को तैयार हो पाएंगे 2. छात्रों की सोच और प्रतिबद्धता को प्रेरणा प्राप्त होगी 3. छात्र सामाजिक समस्याओं के प्रति जाग्रत होंगे 4. छात्र समाज में प्रत्यक्ष जाकर कृतिशील गतिविधियों का संचालन कर सकेंगे
प्रत्यक्ष गांवों या अंचलों में जाकर की हुई विविध गतिविधियों पर आधारित परियोजना बनाना और उसका मूल्यांकन	60

हिंदी अध्ययन मंडल

नाम	पद	पता
डॉ.रोशनी पवार	अध्यक्ष	मू.जे.महाविद्यालय (स्वशासी), जलगांव
डॉ.विजय लोहार	सदस्य	मू.जे.महाविद्यालय (स्वशासी), जलगांव
डॉ.मनोज महाजन	सदस्य	मू.जे.महाविद्यालय (स्वशासी), जलगांव
डॉ.दत्तात्रय मुरुमकर	सदस्य	हिंदी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई
डॉ.शाकीर शेख	सदस्य	अध्यक्ष, हिंदी विभाग, पूना कॉलेज, पुणे
डॉ.संजय रणखांबे	सदस्य	अण्णासाहेब डॉ.जी.डी.बेंडाळे महिला महाविद्यालय, जलगांव
श्री.युवराज माळी	सदस्य	अथर्व पब्लिकेशन, जलगांव
मुक्ति जैन	सदस्य	जलगांव